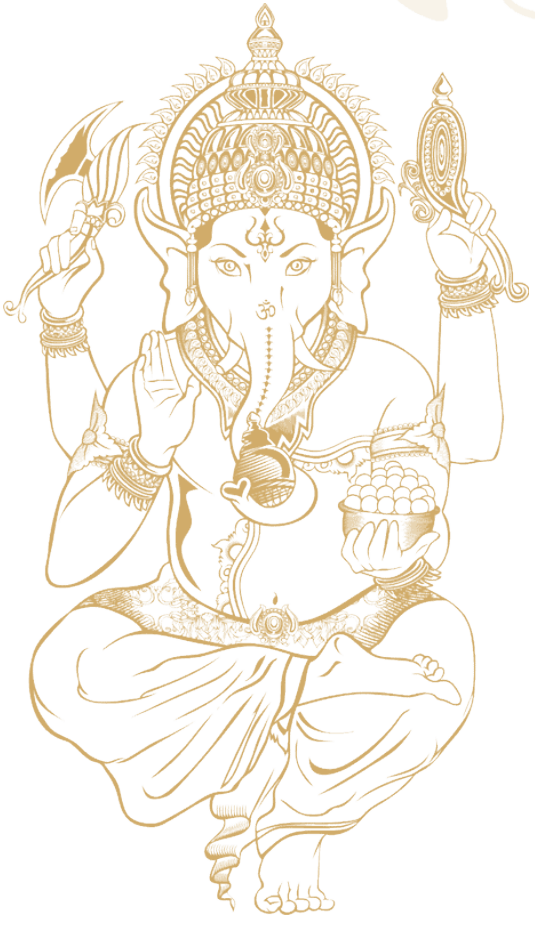

Mr.jai pandey

25 Aug 2010

01:58 AM

Satna

Model: web-freekundliweb

Order No: 120618102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24-25/08/2010**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**01:58:00 घंटे**
इष्ट	50:33:12 घटी
स्थान	**Satna**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	24:33:00 उत्तर
रेखांश	80:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:51:20 घंटे
वेलान्तर	-00:02:27 घंटे
साम्पातिक काल	00:03:21 घंटे
सूर्योदय	05:44:43 घंटे
सूर्यास्त	18:32:58 घंटे
दिनमान	12:48:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	07:33:21 सिंह
लग्न के अंश	17:02:07 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	अतिगण्ड
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गोपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:02:07	319:55:17	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	07:33:21	00:57:50	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मूलत्रिकोण
चंद्र			कुंभ	09:05:37	11:51:01	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
मंगल			कन्या	22:10:41	00:38:31	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
बुध	व	अ	सिंह	24:16:26	00:23:19	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		मीन	07:43:58	00:05:52	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	स्वराशि
शुक्र			कन्या	23:23:52	00:55:24	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	नीच राशि
शनि			कन्या	09:17:54	00:06:40	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		धनु	16:52:15	00:08:52	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	नीच राशि
केतु	व		मिथु	16:52:15	00:08:52	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	नीच राशि
हर्ष	व		मीन	05:39:17	00:02:02	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
नेप	व		कुंभ	03:10:00	00:01:38	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो	व		धनु	08:53:04	00:00:36	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
दशम भाव			मीन	06:54:26	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:39

लग्न-चलित

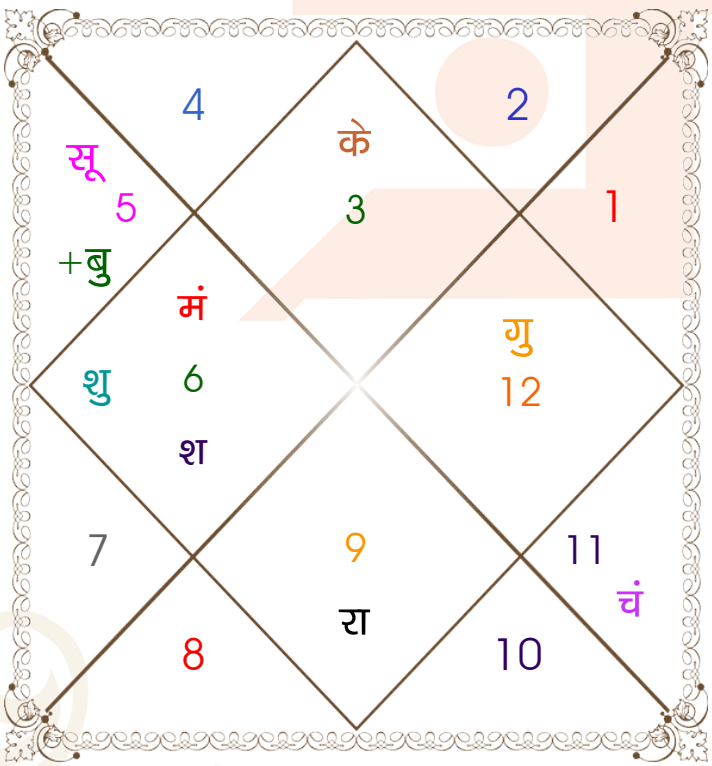

चन्द्र कुंडली

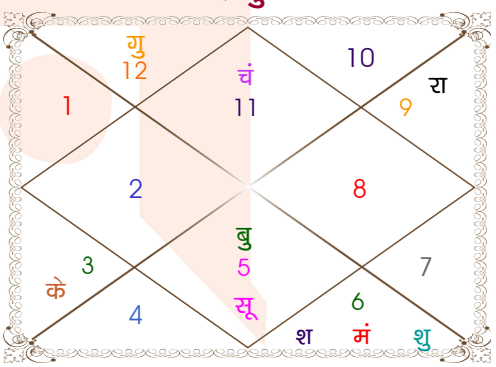

नवमांश कुंडली

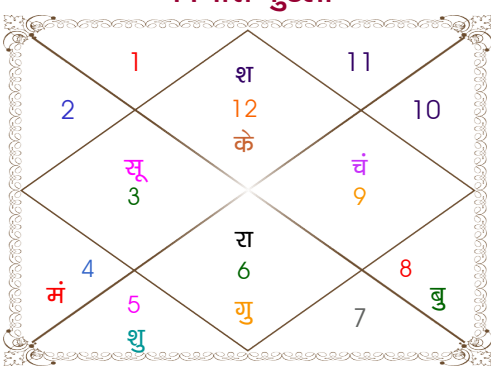

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 14 वर्ष 8 मास 20 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
25/08/2010		15/05/2025		15/05/2041		15/05/2060		15/05/2077	
15/05/2025		15/05/2041		15/05/2060		15/05/2077		15/05/2084	
	25/08/2010	गुरु	04/07/2027	शनि	18/05/2044	बुध	12/10/2062	केतु	12/10/2077
गुरु	21/06/2012	शनि	14/01/2030	बुध	26/01/2047	केतु	09/10/2063	शुक्र	12/12/2078
शनि	28/04/2015	बुध	21/04/2032	केतु	06/03/2048	शुक्र	09/08/2066	सूर्य	19/04/2079
बुध	14/11/2017	केतु	28/03/2033	शुक्र	07/05/2051	सूर्य	15/06/2067	चंद्र	18/11/2079
केतु	03/12/2018	शुक्र	27/11/2035	सूर्य	18/04/2052	चंद्र	14/11/2068	मंगल	15/04/2080
शुक्र	02/12/2021	सूर्य	14/09/2036	चंद्र	17/11/2053	मंगल	11/11/2069	राहु	03/05/2081
सूर्य	27/10/2022	चंद्र	14/01/2038	मंगल	27/12/2054	राहु	30/05/2072	गुरु	09/04/2082
चंद्र	27/04/2024	मंगल	21/12/2038	राहु	02/11/2057	गुरु	05/09/2074	शनि	19/05/2083
मंगल	15/05/2025	राहु	15/05/2041	गुरु	15/05/2060	शनि	15/05/2077	बुध	15/05/2084

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
15/05/2084		16/05/2104		17/05/2110		16/05/2120		17/05/2127	
16/05/2104		17/05/2110		16/05/2120		17/05/2127		00/00/0000	
शुक्र	15/09/2087	सूर्य	03/09/2104	चंद्र	17/03/2111	मंगल	12/10/2120	राहु	27/01/2130
सूर्य	14/09/2088	चंद्र	04/03/2105	मंगल	16/10/2111	राहु	31/10/2121	गुरु	26/08/2130
चंद्र	16/05/2090	मंगल	10/07/2105	राहु	16/04/2113	गुरु	07/10/2122		00/00/0000
मंगल	16/07/2091	राहु	04/06/2106	गुरु	16/08/2114	शनि	16/11/2123		00/00/0000
राहु	16/07/2094	गुरु	23/03/2107	शनि	16/03/2116	बुध	12/11/2124		00/00/0000
गुरु	16/03/2097	शनि	04/03/2108	बुध	16/08/2117	केतु	10/04/2125		00/00/0000
शनि	16/05/2100	बुध	09/01/2109	केतु	17/03/2118	शुक्र	10/06/2126		00/00/0000
बुध	17/03/2103	केतु	16/05/2109	शुक्र	16/11/2119	सूर्य	16/10/2126		00/00/0000
केतु	16/05/2104	शुक्र	17/05/2110	सूर्य	16/05/2120	चंद्र	17/05/2127		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 14 वर्ष 8 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।